

## नर्मदा घाटी में विनाशकारी जलमग्नता से बचने के लिए तत्काल कार्रवाई

विकल्प संगम महासभा\* द्वारा

16 सितंबर, 2024

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि नर्मदा घाटी में बैकवाटर के तेजी से बढ़ने से हजारों परिवारों को खतरा है, 85 से अधिक संगठनों, आंदोलनों और नेटवर्कों से बनी विकल्प संगम महासभा मांग करती है कि केंद्र और गुजरात राज्य सरकारें तुरंत और अधिक द्वार खोलें। सरदार सरोवर परियोजना (एसएसपी) बांध व्यवस्थित तरीके से।

नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण को मानव और गैर-मानवीय जीवन और एसएसपी बांध के ऊपर के ग्रामीणों की संपत्ति को बचाने के लिए जलाशय में खतरनाक रूप से उच्च जल स्तर को तुरंत कम करना चाहिए।

इस क्षेत्र में स्थिति प्रति घंटे भयावह होती जा रही है। नर्मदा नदी के अपस्ट्रीम क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण, जैसा कि अनुमान लगाया गया था, इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर जैसे अपस्ट्रीम बांध कई गेट खोलकर बड़ी मात्रा में पानी छोड़ रहे हैं। इसके बावजूद, डाउनस्ट्रीम एसएसपी बांध ने केवल कुछ गेट खोले हैं, जो अतिरिक्त जल स्तर को छोड़ने के लिए अपर्याप्त हैं। जैसा कि 14 सितंबर की रात को बताया गया था, जलाशय में 438,800 क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा था, जबकि खोले गए कुछ गेटों से केवल 348,600 क्यूसेक पानी निकल रहा था, जिससे जल स्तर तेजी से 136.6 मीटर से अधिक बढ़ गया।

हजारों परिवार, और घर, स्कूल, मंदिर, क्लीनिक, खेत अब बिना किसी चेतावनी के जलमग्न होने का सामना कर रहे हैं, क्योंकि बैक वाटर लेवल (बीडब्ल्यूएल) को वास्तविक से कम दिखाकर उन्हें गलत तरीके से 'प्रभावित नहीं' घोषित कर दिया गया था। यह सुप्रीम कोर्ट और नर्मदा ट्रिब्यूनल के आदेशों का पूरी तरह से उल्लंघन है, कि व्यक्तियों को उनके उचित मुआवजे और पुनर्वास के छह महीने बाद ही अनैच्छिक रूप से विस्थापित किया जा सकता है। डूब क्षेत्र का सामना कर रहे लगभग 16,000 परिवारों को अभी तक मुआवजा और पुनर्वास नहीं किया गया है। यह पिछले वर्ष की पुनरावृत्ति है, जब देश के प्रधान मंत्री ने 17 सितंबर, 2023 को एसएसपी जलाशय को लगभग 139 मीटर तक भरकर "अपना जन्मदिन मनाया"। प्रभावित गांवों पर आज भी उस विनाश के भूतिया निशान मौजूद हैं।

हमें यहां बताना होगा कि सिंचाई और "हरित ऊर्जा" उत्पादन के लिए एसएसपी और इसी तरह के अन्य मेगा-बांधों के अपरिहार्य होने से संबंधित दावे झूठे हैं। सबसे पहले, गर्म जलवायु में ऐसे विशाल जलाशय पानी और गाद में फंसे बायोमास की भारी मात्रा की एनोक्सिक प्रतिक्रिया से बड़ी मात्रा में मीथेन उत्सर्जित करते हैं। मीथेन एक ग्रीनहाउस गैस है जो पहले 20 वर्षों में कार्बन डाइऑक्साइड से लगभग 87 गुना अधिक शक्तिशाली है। नदी घाटियों में इसके बड़े पैमाने पर विस्थापन और विनाश के साथ, बड़े बांध-आधारित जलविद्युत बिल्कुल भी हरित विकल्प नहीं है, और वितरित और समुदाय केंद्रित सौर और पवन ऊर्जा के रूप में कई कम लागत वाले, अधिक टिकाऊ विकल्प हैं: माइक्रो-हाइड्रो, आदि। मांग प्रबंधन के साथ-साथ पहले से उत्पन्न विशाल क्षमता के अधिक कुशल उपयोग की भी उपेक्षा की जाती है।

इसी तरह, मेगा-बांधों द्वारा सिंचाई के भव्य दावे भी अतिरंजित हैं, और स्थानीय जल संचयन संरचनाएं, भूजल पुनर्भरण प्रणाली, वनस्पति-आधारित जल संचयन और अन्य जैसे बहुत अधिक टिकाऊ विकल्प हैं।

पूरे भारत में, कई बांधों ने पानी में घुले खनिजों और ऑक्सीजन को काफी कम करके नदियों की जीवन-समर्थन क्षमताओं को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया है। 2023 में एसएसपी के अपस्ट्रीम में नर्मदा नदी में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत की सूचना इसका एक दस्तावेजी प्रमाण है। एक हालिया जल परीक्षण रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जलाशय में जमा पानी सीधे मानव उपयोग के लिए पूरी तरह से

अनुपयुक्त है और इससे दुर्गंध भी आ रही है। एसएसपी के डाउनस्ट्रीम में पारिस्थितिक तंत्र और मछुआरों और किसानों की आजीविका को नुकसान की भी कई रिपोर्टें हैं।

नर्मदा बचाओ आंदोलन की कार्यकर्ता मेधा पाटकर सहित कई प्रभावित लोगों ने 14 सितंबर को 24 घंटे से अधिक समय तक बढ़ते पानी में खड़े रहकर "जल सत्याग्रह" शुरू किया था, जिससे उनकी कभी सूखी हुई बस्ती जलमग्न हो गई थी।

सरकार के कुछ प्रारंभिक आश्वासनों के बाद, कुछ राहत देते हुए, 15 सितंबर की रात को इसे वापस ले लिया गया है। लेकिन उनके इस चरम कदम उठाने के फैसले के पीछे के कारणों का पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है।

हम मांग करते हैं और आग्रह करते हैं कि जल स्तर को कम से कम 135 मीटर से नीचे लाने के लिए एसएसपी के और गेट खोलने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही, न्याय के न्यूनतम मानकों को पूरा करने वाले समाधान पर पहुंचने के लिए प्रभावित जन प्रतिनिधियों के साथ संवाद खोला जाना चाहिए।

विकल्प संगम महासभा

-----  
\*विकल्प संगम महासभा (वीएसजीए) विकल्प संगम प्रक्रिया ([www.vikalpsangam.org](http://www.vikalpsangam.org)) के लिए समन्वय तंत्र है, जिसका उद्देश्य अस्थिर, अन्यायपूर्ण विकास के विकल्पों पर काम करने वाले आंदोलनों, संगठनों और व्यक्तियों को नेटवर्क बनाना है। इसमें पूरे भारत में लगभग 85 संगठन और नेटवर्क शामिल हैं, जो नीचे सूचीबद्ध हैं।

वीएसजीए की ओर से संपर्क व्यक्ति:

सौम्या दत्ता ([soumyadutta.delhi@gmail.com](mailto:soumyadutta.delhi@gmail.com))

अशीष कोठारी ([ashishkothari@riseup.net](mailto:ashishkothari@riseup.net))



विकल्प संगम महासभा सदस्य

एक्कोर्ड (ACCORD)  
AGRAGAMEE  
एलायंस फार सस्टेनेबल एंड होलिस्टिक एग्रीकल्चर (ASHA)  
आल्टरनेटिव ला फोरम (ALF)  
आमहि आमच्य आरोग्यसाथी  
अशोक ट्रस्ट फार रिसर्च इन इकोलोजी एंड एनवायरनमेंट (ATREE)  
भूमि कालेज  
ब्लू रिबन मूवमेंट (BRM)  
केनोपी कलेक्टिव  
सेंटर फॉर एजुकेशन एंड डॉक्यूमेंटेशन (CED)  
सेंटर फार एनवायरनमेंट एजुकेशन (CEE)  
सेंटर फॉर फिनांशियल एकाउंटेबिलिटी (CFA)  
सेंटर फॉर पेस्टोरलिस्म  
चेतना  
सीजी नेट स्वर  
दक्षिण फाउंडेशन  
डेक्कन डेवलपमेंट सोसायटी (DDS)  
डियर पार्क  
डेवलपमेंट आल्टरनेटिव (DA)  
डेसर्ट रिसोर्स सेंटर (DRC)  
धात्री ट्रस्ट  
धरामित्र  
एकता  
एकितबल ट्रिज्म ऑप्शन्स (एकवेशन्स)  
फॉरेस्ट राइट्स कोलेशन - जे.के.  
फ्राईडेज फॉर फ्यूचर - इंडिया  
जीन कैम्पेन  
गंज  
ग्रौनपीस इंडिया  
एडीओसिंक मीडिया कंबाइन  
इनर क्लाइमेट अकादेमी (ICA)  
मार्गशाला फाउंडेशन  
जागोरी रूरल  
कागज कच पत्र कष्टकरी पंचायत (KKPKP)  
कल्पवृक्ष  
खुदाई खिदमतगार  
कृति टीम  
लद्दाख आर्ट एंड मीडिया आर्गनाइजेशन (LAMO)  
लेट इंडिया ब्रीद (LIB)  
लोकल फ्यूचर लद्दाख  
माध्यम  
माटी  
महिला किसान अधिकार मंच (MAKAAM)  
महालीर एसोसिएशन फार लिटरेसी, एवरनेस एंड राइट्स

(MALAR)  
मजदूर किसान शक्ति संगठन (MKSS)  
मूवमेंट फॉर एडवांसिंग अंडरस्टैंडिंग ऑफ सस्टेनेबिलिटी एंड मूचुअलिटी (MAUSAM)  
नेशनल एलायंस आफ पीपुल्स मूवमेंट (NAPM)  
नेशनल कैम्पेन फार दलित ह्यूमन राइट्स (NCDHR)  
नेशनल कोलेशन फॉर नेचुरल फार्मिंग (NCNF)  
नेशनल फेडरेशन ऑफ दलित वीमेन (NFDW)  
निरनगल चैरिटेबल ट्रस्ट  
नॉन-टिम्बर फारेस्ट प्रोडक्ट्स एक्सचेंज प्रोग्राम इंडिया (NTFP-EP India)  
नॉर्थ ईस्ट नेटवर्क (NEN)  
ऑर्गनिक फार्मर्स मार्केट (OFM)  
पीपुल्स सिसोर्स सेंटर (PRC)  
पीपुल्स साइंस इंस्टीट्यूट (PSI)  
पीपल ट्री  
रिजेनेरटिव बिहार कलेक्टिव  
रिस्टोर  
री वाइटालाइजिंगरेनफेड एग्रीकल्चर नेटवर्क (RRA)  
रितू स्वराज्य वेदिका  
संभावना  
फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक एंड इकोलॉजिकल डेवलपमेंट (FEED)  
सहजीवन  
सहोदय ट्रस्ट  
संगत  
स्कूल फार रूरल डेवलपमेंट एंड एनवायरनमेंट (SRDE)  
शिक्षांतर  
स्नो लेपर्ड कंजरवेंसी इंडिया ट्रस्ट (SLC-IT)  
सिक्किम इंडीजीनस लेपचा वीमेंस एसोसिएशन  
सोशल इंटरप्रेन्योरशिप एसोसिएशन (SEA)  
सोसाइटी फॉर प्रमोटिंग पार्टिकिपेटिव इकोसिस्टम मैनेजमेंट (SOPPECOM)  
साउथ एशियन डायलाग आन इकोलोजिकल डेमोक्रेसी (SADED)/हरित स्वराज समाज  
धी हिमालय कलेक्टिव  
तितली ट्रस्ट  
टी.एन. विमेंस कलेक्टिव  
ट्रैवेलर्स युनिवर्सिटी  
ट्राइबल हेल्थ एनीशिएटिव (THI)  
उरमुल सीमन्त समिति  
वाटरशेड सपोर्ट सर्विस एंड एक्टीविटीस नेटवर्क (WASSAN)  
विमेंस कलेक्टिव  
युथ एलायंस  
युगम कलेक्टिव  
युवा एकता फाउंडेशन  
व्यक्ति (बब्लू गांगुली, दिनेश अब्रोल, मोहन हीराबाई हीरालाल, ओवैस सुल्तान खान, सहजो सिंह, एस.पी. रवी)